



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उर्ध्व-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 658]

नई दिल्ली, बृद्धवार, दिवाली 21, 1918/अग्रहायण 30, 1910

No. 658] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 21, 1988/AGRAHAYANA 30, 1910

इस भाग में भिन्न पाठ संख्या वाली कासी है जिससे कि यह अलग इकलून के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दिल्ली मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 21 दिसंबर, 1988

अधिकृत नाम:

सं. 34/88-केन्द्रीय उत्पादशुल्क (एमो ट्रॉ)

सा. का. नि. 1190(अ) —सूतों कैंबिक जितमें सूतों भीर पालिएस्टर फिलार्मेंट दून है। फिल्म जिमर्में कोई अस्त टेक्नोर्जन समझी नहीं है। 28 फरवरी, 1986 से प्रारम्भ होने वाली भारत 10 मई 1986 की समाप्त होने वाली अवधि के दौरान केन्द्रीय उत्पादशुल्क ईंटिक, अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के अनुसूचा के अंतर्गत 52.08 के अनुसार उत्पादशुल्क और अधिनियम 'उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का सामान) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) का पहला अनुसूची के प्रधान अधिनियम उत्पादशुल्क के उद्यग्नि के अधीन था।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रयोग के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क अंतर नमक अधिनियम, 1944 (1944 वा 1) का व्यापार उत्पादशुल्क के उद्यग्नि के खात्र जिसके अन्तर्गत उत्पादक उद्यग्नि न किया जाना भा ह। साधारणतया प्रचलित था, ऐसी सूतों कैंबिकों पर उत्पादशुल्क उक्त अनुसूचा के अंतर्गत से 52.08 के अन्तर्गत कम दूर पर संवाज किया जा रहा था और अतः पूर्वीन अधिनियम

के दौरान इस प्राचार प्रमाणित उत्पादशुल्क के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा नियांसी गई फिर प्रतिमुद्रा के साथ पठित उक्त व्यापार (3) के अधिन न कर उद्यग्नि किया गया था;

और पूर्वीन अधिनियम के दौरान देश सूतों के उत्पादशुल्क से संबंधित अधिनियम 'उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का सामान) अधिनियम, 1957 (1957 का 59) के प्रधान दो सूतों कैंबिकों पर अधिनियम उत्पादशुल्क का जीव कम उद्यग्नि किया जा रहा था,

अब, प्रा, केन्द्रीय सरकार जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम 1944 को घरा 11 गद्दार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह दिया देना है कि उक्त प्रयोग के महोने पर ऐसी कैंबिकों पर, उक्त अधिनियमों के अधिन सदैः उत्पादशुल्क और अधिनियम 'उत्पादशुल्क का उत्पादक जो ऐसे सूतों कैंबिकों का व्यापार नहीं प्रोत्ता नहीं होता जिस पर उत्पादशुल्क और अधिनियम 'उत्पादशुल्क' 1944 प्रयोग के अनुसार पूर्वीन अधिनियम के दौरान न कर उद्यग्नि न किया गया था

[का. सं. 51/11/36-सौ एस-2/सौ एस-1]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 21st December, 1988

NOTIFICATIONS

No. 34/88-Central Excises (N.T.)

G.S.R. 1190 (E).—Whereas cotton fabrics containing cotton and polyester filament yarn (but not containing any other textile material) were liable to levy of duty of excise under heading No. 52.06 of the Schedule to the Central Excises Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and additional duty of excise under the First Schedule to the Additional Duties of Excises (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 12th May, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) the duty of excise on such cotton fabrics was being paid at a lower rate under heading No. 52.09 of the said Schedule and therefore short-levied under the said section 3 read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so charged during the aforesaid period;

And, whereas, the additional duty of excise on such cotton fabrics was also being short-levied under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) relating to the levy of such duties during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Central Excises and Salt Act, 1944 the Central Government hereby directs so much of that portion of the duty of excise and the additional duty of excise payable under the said Acts on such cotton fabrics, but for the said practice shall not be required to be paid in respect of such cotton fabrics, on which the said duty of excise and the additional duty of excise were short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 51/23/86-CX.2CX.I]

S. 15/99-केम्पोय उत्पादनका/(एन०टी०)

ना. का. नि. 1191(प्र).—कवित फैलिल निम्नान्वय पानिस्टर स्टेपल काइबर और कॉट्ट एक या अधिक ऐसी काइबर प्रयोग रेसो और कृतिम स्टेपल काइबर है (फिल निम्न कॉट्ट प्रयोग उत्पादन का सामग्री नहीं है) 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाले और 12 मई, 1986 को समाप्त होने वाले प्रबंध के द्वारा अनियन्त्रित उत्पादनका (विनेत महात्मा का मान, प्रधिनियम, 1957 (1957 का 59) को पहले अनुसूची के रूप से 5608 के अधीन प्रतिक्रिया उत्पादनका के उद्घाटन के अधीन है,

श्री केम्पोय सरकार का सम्मान हो गया है कि: उक्त प्रथा के अनुगार जो केवल उत्पादनका श्री का नम्बर प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) का धारा 3 के अवधि न उत्पादनका के उद्घाटन की बात (जिसके अन्तर्गत उक्ता उद्घाटन न किया जाना भी है)। नाभारणका प्रधिनियम, 1957, ऐसे कृतिम कैविती पर उत्पादनका उत्पादनका के रूप से 55.12 के शास्त्रीय कम दर पर समाप्त किया जा रहा था और प्रति: उक्त प्रधिनियम के द्वारा 11 फेब्रुअरी उत्पादनका श्री का नम्बर प्रतिनिधित्व का धारा 3 के अधीन कम उद्घाटन के द्वारा गया था,

अब, यह, केवल सरकार अनियन्त्रित उत्पादनका (विनेत महात्मा का मान) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) का धारा 3 के उत्पादन (जो के माथे पहिले केवल उत्पादनका श्री का नम्बर प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) का धारा 11 द्वारा प्रदत्त श्रियांगों तो प्रोत्त करते हुए, वह विरेक देता है कि उक्त प्रथा के न हो पर उक्त केवल उत्पादनका और नम्बर प्रधिनियम के प्रधिनियम सदैय प्रतिक्रिया उत्पादनका का उन्होंना मान गेसे कृतिम कैविती क, बाबन सक्षम किया जाना अनियन्त्रित नहीं होगा किस पर उक्त उत्पादनका, उक्त प्रथा के अनुभाव पूर्यते अधिनियम के द्वारा कम उद्घाटन के द्वारा गया था।

[दा स 51/23/26-स एक्स-2/सा एक्स-]
एस. के. पटा, प्रवर सचिव

No. 35/88-Central Excises (N.T.)

G.S.R. 1191 (E).—Whereas man-made fabrics containing polyester staple fibre and any one or more of the fibres, namely, ramie and artificial staple fibres (not containing any other textile material) were liable to levy of additional duty of excise under heading No. 55.08 of the First Schedule to the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 12th May, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on such man-made fabrics was being paid at a lower rate under heading No. 55.12 of the said Schedule and therefore short-levied under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, during the said period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) the Central Government hereby directs that so much of that portion of the additional duty of excise payable under the said Central Excises and Salt Act, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such man-made fabrics, on which the said additional duty of excise was short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 51/23/86-CX.2|CX.I]
S. K. PANDA, Under Secy.